भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

07.02.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 881 का उत्तर

मानव रहित समपार

881. डॉ. डी. एन. वी. सेंथिलकुमार एस:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्तमान में देश भर में कुल कितने समपार हैं;
(ख) तमिलनाडु और महाराष्ट्र सहित देश में मानवरहित समपारों (एलसी) की कुल संख्या का जिला-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा सभी चालू लाइनों पर मानवरहित रेल समपारों को समाप्त करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;
(घ) क्या सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित की है कि सभी परित्यक्त रेल समपार लोगों/यात्रियों के लिए सुरक्षित रहेंगे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ड.) सरकार ने उन प्रयोक्ताओं के लिए क्या वैकल्पिक प्रावधान किए हैं जहां मानवरहित समपारों को समाप्त कर दिया गया है;
(च) वर्ष 2022-23 के दौरान देश में समपारों पर कितने लोगों की मृत्यु हुई है और ऐसी दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है; और
(छ) रेल समपारों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): भारतीय रेल के बड़ी लाइन (बीजी) नेटवर्क के चालित लाइनों पर सभी चौकीदार रहित रेल फाटकों (यूएमएलसी) को 31.01.2019 तक समाप्त कर दिया गया है।

01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल की बड़ी लाइन नेटवर्क के चालित लाइनों पर कुल 17720 अदद चौकीदार वाले रेल फाटक हैं।

भारतीय रेल पर रेल फाटकों को समाप्त करना सतत एवं चलायमान प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को गाड़ी परिचालन, गाड़ियों की गतिशीलता में संरक्षा पर इसके प्रभाव तथा सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए इसके प्रभाव और इसकी व्यवहार्यता आदि के आधार पर शुरू किया जाता है।

रेल फाटकों को या तो रेल फाटकों के बदले रोड ओवर ब्रिज/ रोड अंडर ब्रिज का निर्माण करके या समाप्त करके (कम यातायात वाले रेल फाटकों के लिए) या सड़क यातायात को नजदीकी आरओबी/आरयूबी/एलसी की ओर पथांतरण करके समाप्त किया जाता है, जो साइट की स्थिति पर निर्भर करता है।

वर्ष 2014-23 की अवधि के दौरान, कुल 10,867 रोड ओवर ब्रिज (आरओबी)/रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण हुआ जबकि वर्ष 2004-14 की अवधि के दौरान, भारतीय रेल पर केवल 4,148 आरओबी/आरयूबी का निर्माण किया गया था।

2022-23 के दौरान, भारतीय रेल नेटवर्क के मीटर लाइन (एमजी) एवं छोटी लाइन (एनजी), जिन्हें खंड के आमान परिवर्तन के दौरान समाप्त करने की योजना है, पर मौजूदा चौकीदार रहित रेल फाटकों पर कोई परिणामी दुर्घटना नहीं हुई है।

इसके अलावा, भारतीय रेल द्वारा देश में रेल फाटकों पर रेल दुर्घटनाओं को कम करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

- संरक्षा को बढ़ाने के लिए अधिक रेल/सड़क वाहन संबंधी यातायात वाले रेल फाटकों की सिगनलों से इंटरलॉकिंग की गई है।
- रेल फाटकों पर व्हिसल बोर्ड, सड़क संकेत बोर्ड, स्पीड ब्रेकर आदि जैसे आधारभूत अवसंरचना की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण अभियान शुरू किए जा रहे हैं।
- रेल फाटकों पर सुरक्षित आवाजाही के लिए सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच संरक्षा संबंधी जानकारी के लिए जन जागरूकता अभियान/संरक्षा स्लोगन आरंभ किए जाते हैं।

*****